

30/9/24

प्राणकी पेशे ही जीवकी  
आहुतिये। सदा - सदा काम  
के लीन बार ताबान सदा की  
नगे स्वयं वारी उपस्थित है  
वही लगे तपस्विना उपस्थित है  
प्राणकी तपन हाथी सदा प्रेमी के  
स्वयं की प्राण है